सीरी में सीएसआईआर के 82वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी, में 29 सितंबर, 2023 को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 82वाँ स्थापना दिवस समारोहपूर्वक आयोजित किया गया । राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद, जयपुर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्री पी आर शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर-सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री एस रघुनाथ एवं श्री पी वी एल रेड्डी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। समारोह के दौरान विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 12 सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के 06 सहकर्मियो को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही कक्षा 12 में विज्ञान विषयों में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश लेने वाले सीरी कार्मिकों के बच्चों सहित सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व सहकर्मियों सहित सीरी विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती बी राशेल एवं मीडियाकर्मियों सहित पिलानी के गणमान्यजन उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण

समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथिगण एवं सहकर्मी

दीप प्रज्वलन

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत रूप से मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक महोदय द्वारा दीप-प्रज्वलन के साथ हुआ।

संस्थान के कार्मिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि
श्री पी आर शर्मा, सीईओ, राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद, जयपुर

मुख्य अतिथि संबोधन

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पी एल शर्मा ने अपने स्थापना दिवस संबोधन में सीरी सहित सीएसआईआर के सभी वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में आजादी से पूर्व ही सीएसआईआर जैसे अनुसंधान संगठन की स्थापना का निर्णय दूरदर्शी था। श्री शर्मा ने देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े संगठन 'सीएसआईआर' एवं उसकी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की क्रमबद्ध स्थापना के लिए देश के नीति नियंताओं को नमन किया। उन्होंने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की जनशक्ति और संसाधनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग द्वारा उत्पादन और गुणवत्ता के लक्ष्य प्राप्त करने होंगे उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि के

रूप में मेरा मानना है कि केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारों के विभागों के साथ भी सीएसआईआर जैसे जीवंत संगठन और उसकी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का तालमेल अनिवार्य है। उन्होंने डॉ पंचारिया के इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों में अपना भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया।

संबोधन के दौरान अपने संस्मरण साझा करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री पी वी एल रेड्डी एवं श्री श्रीनिवासन रघुनाथ

विशिष्ट अतिथि संबोधन

विशिष्ट अतिथि श्री पी वी एल रेड्डी एवं श्री एस रघुनाथ ने संस्थान में बिताए सेवाकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि हमें सीएसआईआर जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठन में इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान को समर्पित देश की अग्रणी राष्ट्रीय प्रयोगशाला 'सीरी' में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने गत वर्ष सेवानिवृत्त हुए सहकर्मियों, 25 वर्ष की सेवा के लिए सम्मानित हुए कार्मिकों सहित सीरी परिवार के सभी पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों व अतिथियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्थान में आना सुखद और पुराने पलों की याद दिलाने वाला है। दोनों अतिथियों ने आशा व्यक्त की कि डॉ पंचारिया के नेतृत्व में हमारा संस्थान तेजी से उन्नति के शिखर की ओर अग्रसर होगा।

अध्यक्षीय संबोधन के दौरान सीएसआईआर की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

निदेशक का अध्यक्षीय संबोधन

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया और सभी अतिथियों, वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को 82वें सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर परिषद प्रयोगशालाओं के प्रमुख शोध कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने सीएसआईआर की स्थापना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सीएसआईआर ने सदैव देश की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यकताओं के अनुरूप अपने अनुसंधान और विकास कार्यों से देश एवं उसके नागरिकों की सेवा की है। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप हमारी प्रयोगशालाएं भी स्वयं को बदल रही हैं और सदैव देश की सेवा के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर की अनुसंधान प्रयोगशालाएं देश की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध कार्यों से पूरे देश एवं उसके नागरिकों को लाभान्वित कर रही हैं और इस प्रकार अन्य शोध संगठनों से इतर हमारा 'सीएसआईआर' पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है।

सेवा सम्मान

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पी आर शर्मा ने विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 12 सहकर्मियों एवं संस्थान/परिषद में 25 वर्ष की अनवरत एवं निष्कलंक सेवा पूर्ण करने वाले सहकर्मियों को सीएसआईआर की ओर से

स्मृति चिह्न/सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। विवरण निम्नवत है :

गतवर्ष सेवानिवृत्त हुए कार्मिक

1.श्री महावीर वर्मा, टी-मेकर

2. श्री प्रेमलाल, एमटीएस

3. श्री राजेन्द्र कुमार सोनानिया, वरि. तकनीशियन(1)

4. श्री यूसुफ अली, प्रयोगशाला सहायक

5. श्री पुरुषोत्तम लाल, एमटीएस

6. श्री ओमप्रकाश जांगिड़, सहायक अभियंता

7. श्री सुधीर कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक

8. श्रीमती सुलोचना शर्मा, सहायक अनुभाग अधिकारी

9. श्री लीला राम, अनुभाग अधिकारी

10. श्री रामपाल सिह, वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता

11. श्री सुनील कुमार मित्तल, वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता

12. श्री रोहिताश्व चंद्र शर्मा, वरिष्ठ तकनीशियन (2)

सहकर्मियों को सेवा सम्मान प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि श्री पीआर शर्मा

25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कार्मिक

1. श्री श्याम सुंदर शर्मा, वरि. तकनीशियन(2)

2. श्री बी कुमारवेल, वरि. तकनीशियन(2)

3. श्री देवीश पाठक, वरि. तकनीशियन(2)

4. श्री पवन कुमार, वरि. तकनीशियन(2)

5. श्री राजेंद्र सिह शेखावत, वरि. तकनीशियन(1)

6. श्री कैलाश चंद, एमटीएस

मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार

इसके अलावा कक्षा 12 में विज्ञान विषयों में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा आईआईटी-आईआईएम में प्रवेश लेने वाले तीन मेधावी छात्रों को अधिछात्रवृत्ति (स्टूडेन्टशिप) एवं एकमुश्त नकद पुरस्कार तथा **सीएसआईआर निबंध लेखन प्रतियोगिता** के विजेताओं (18) को भी पुरस्कृत किया गया। विवरण निम्नवत है :

अधिछात्रवृत्ति (स्टूडेन्टशिप)/एकमुश्त नकद पुरस्कार

मा. वैभव जाखड़ (आईआईएम-कोलकाता में प्रवेश)

मा. नमन सोनी (आईआईटी-जोधपुर में प्रवेश)

मा. पियूष कुमार (विज्ञान विषयों में 90% अंक, कंप्यूटर विज्ञान में 100% अंक, आईआईटी-जम्मू में प्रवेश)

मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि

1. कनिष्ठ वर्ग (कक्षा VI से VIII)

श्रेणी : सीएसआईआर कार्मिकों के बच्चे

कु. साक्षी सिह (कक्षा VII) प्रथम

मा. अर्चित मौर्य (कक्षा VII) द्वितीय

मा. तनुज शर्मा (कक्षा VII) तृतीय

श्रेणी : सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थी

कु. सुहाना (कक्षा VII) प्रथम

कु. जिया कँवर (कक्षा VIII) द्वितीय

कु. देवांशी (कक्षा VIII) तृतीय

2. मध्यम वर्ग (कक्षा IX से X)

श्रेणी : सीएसआईआर कार्मिकों के बच्चे

मा. पुलकित कुमार (कक्षा IX) प्रथम

मा. पुलकित छाबड़ा (कक्षा X) द्वितीय

कु. चैतीपर्णा दास (कक्षा IX) तृतीय

श्रेणी : सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थी

कु. मेघा शर्मा (कक्षा X) प्रथम

मा. रिदम सिह (कक्षा IX) द्वितीय

मा. विनीत (कक्षा X) तृतीय

सभागार में उपस्थित पूर्व एवं वर्तमान सहकर्मीवृंद तथा पुरस्कार प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राएँ व उनके परिजन

3. वरिष्ठ वर्ग (कक्षा XI से XII)

श्रेणी : सीएसआईआर कार्मिकों के बच्चे

कु. शिक्षा सिह (कक्षा XI) प्रथम

मा. आरुष सैनी (कक्षा XI) द्वितीय

कु. रेना मनीष मैथ्यु (कक्षा XI) तृतीय

श्रेणी : सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थी

मा. हिमेश मनराल (कक्षा XI) प्रथम

कु. खुशी (कक्षा XI) द्वितीय

मा. दिव्यम यादव (कक्षा XII) तृतीय

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ पी सी पंचारिया

अतिथि सम्मान

इस अवसर पर डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर सीरी ने मुख्य अतिथि श्री पी आर शर्मा तथा विशिष्ट अतिथियों श्री पी वी एल रेड्डी एवं श्री श्रीनिवासन रघुनाथ को संस्थान की ओर से **शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट** कर सम्मानित किया। साथ ही श्रीमती सीमा पंचारिया ने भी श्रीमती पी राजेश्वरी एवं श्रीमती जया रघुनाथ को भी शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

श्रीमती पी राजेश्वरी और श्रीमती जया रघुनाथ को शॉल भेंट कर सम्मानित करती हुईं श्रीमती सीमा पंचारिया

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ मनिन्दर कौर एवं डॉ राजेन्द्र वर्मा

कार्यक्रम संचालन

समारोह का संचालन डॉ राजेन्द्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डॉ (श्रीमती) मनिदर कौर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने सभी उपस्थित सहकर्मियों एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का औपचारिक परिचय भी दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

धन्यवाद ज्ञापन

अंत में **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित अन्य सभी आमंत्रित अतिथियों, पूर्व सहकर्मियों का कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आभार व्यक्त किया तथा निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के नेतृत्व में आयोजन में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सहयोग देने वाले कार्मिकों को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।

सीएसआईआर स्थापना दिवस – समाचार पत्रों की नज़र से

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

सिंघाना • पिलानी • चिड़ावा • मलसीसर • बुहाना

पिलानी. सीएसआईआर के 82वें स्थापना दिवस पर हुए समारोह में उपस्थित वैज्ञानिक व अन्य।

सीएसआईआर के स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह

बदलती राष्ट्रीय चुनौतियों के अनुरूप सीएसआईआर के वैज्ञानिक योगदान के लिए तत्पर : डॉ. पीसी पंचारिया

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान पिलानी में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 82वां स्थापना दिवस आयोजित किया गया। राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद जयपुर के सीईओ पीआर शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि रहे। सीएसआईआर-सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एस रघुनाथ व पी वी एल रेड्डी विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक सीएसआईआर-सीरी ने की। विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 12 सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के 6 सहकर्मियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही कक्षा 12 में विज्ञान विषयों में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश लेने वाले सीरी कार्मिकों के बच्चों सहित सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व सहकर्मियों सहित सीरी विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या श्री राठौर व पिलानी के गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएल शर्मा ने संबोधन में सीरी सहित सीएसआईआर के सभी वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने डॉ. पंचारिया के इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों में अपना भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि पी वी एल रेड्डी व एस रघुनाथ ने कहा कि उन्हें गर्व है कि हमने सीएसआईआर जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठन में इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान को समर्पित देश की अग्रणी राष्ट्रीय प्रयोगशाला 'सीरी' को अपनी सेवाएं दी। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर परिषद प्रयोगशालाओं के प्रमुख शोध कार्यों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप हमारी प्रयोगशालाएं भी स्वयं को बदल रही हैं और सदैव देश की सेवा के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर की अनुसंधान प्रयोगशालाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध कार्यों से पूरे देश को लाभान्वित कर रही हैं और इस प्रकार सीएसआईआर पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। समारोह का संचालन वैज्ञानिकों डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा एवं मनिंदर कौर ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने सभी उपस्थित सहकर्मियों एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का औपचारिक परिचय भी दिया। अंत में संस्थान के डॉ. सुचंदन पाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पिलानी. कर्मचारियों को सम्मानित करते।

मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त ज़िलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक मृदुल पत्रिका

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिंटिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

जयपुर, गुरुवार, 28 सितम्बर, 2023 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com

दैनिक मृदुल पत्रिका | राजस्थान | गुरुवार, 28 सितम्बर, 2023 http://mridulpatrika.com | 3 | जयपुर

डॉ पंचारिया ने डॉ जितेन्द्र सिंह को भेंट किया संस्थान में विकसित स्वदेशी एलईडी युक्त स्मृति चिह्न

सीएसआईआर के नई दिल्ली में 82वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 29 सितंबर को

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े शोध एवं विकास संगठन 'वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)' का 82वां स्थापना दिवस सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 29 सितंबर को मनाया जा रहा है। राजस्थान एक्सपोर्ट प्रोमोशन बोर्ड के सीईओ पीआर शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि तथा पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीनिवासन रघुनाथ एवं पी वी एल रेड्डी विशिष्ट अतिथि होंगे।

विगत वर्ष में संस्थान से सेवानिवृत्त हुए सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के सहकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर गतवर्ष कक्षा ग्यारहवीं में विज्ञान विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले संस्थान-सहकर्मियों के बच्चों, आईआईटी-आईआईएम में प्रवेश लेने वाले बच्चों तथा सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाता है। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्थापना दिवस उद्बोधन भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया द्वारा परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख शोध कार्यों का विवरण तथा विगत वर्ष के दौरान द्वारा अर्जित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। सीएसआईआर स्थापना दिवस का मुख्य समारोह 26 सितंबर को नई दिल्ली स्थित के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया गया जिसमें सीरी के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया सहित सीएसआईआर की अन्य प्रयोगशालाओं के निदेशक भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह एवं सीएसआईआर के अध्यक्ष को संस्थान द्वारा विकसित स्वदेशी एलईडी युक्त स्मृति चिह्न भेंट किया। डॉ सिंह और सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ एन कलैसेल्वी ने सीरी के वैज्ञानिकों को बधाई दी। भारत मंडपम में आयोजित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा उत्पाद के रूप में परिवर्तित 14 प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जिनमें मिल्क अनालाइज़र, क्षीरस्कैनर, शहद मिलावट डिटेक्टर, फलुओरो पीसीआर सिस्टम, यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोमीटर, एन्डोस्कोप, स्मार्ट घड़ी, कॉल्पोस्कोप, एलईडी, सेन्सर किट (दाब, ताप एवं ध्वनि संवेदक), स्पर्श रहित उपस्थिति प्रणाली, पानी की गुणवत्ता मॉनीटरिंग प्रणाली, चलतरंग नलिका और मैग्नेट्रॉन शामिल हैं।

गौरतलब है कि भारत को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सुप्रसिद्ध राजनीतिज्ञ ए. रामास्वामी मुदलियार और सीएसआईआर के प्रथम महानिदेशक डॉ शांतिस्वरूप भटनागर के प्रयासों से वर्ष 26 सितंबर 1942 को राष्ट्र के प्रथम अनुसंधान संगठन 'सीएसआईआर' का गठन किया गया। सीएसआईआर अपनी 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में समर्पित है। विगत 81 वर्षों में परिषद ने रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिकी, पर्यावरण, औषधि, धातुविज्ञान, समुद्रविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, वांतरिक्ष, वनस्पति विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपने अनुसंधानों व अंतरराष्ट्रीय पेटेन्टों के माध्यम से विश्व में वैज्ञानिक समुदाय के समक्ष राष्ट्र को अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है। वर्तमान में सीएसआईआर भारत सरकार के अनेक नेटवर्क कार्यक्रमों, प्रायोजित परियोजनाओं तथा शोध एवं विकास कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व का कार्य कर रहा है। अपनी संघटक प्रयोगशालाओं व संस्थानों के वैज्ञानिक शोध कार्यों से आम जनता को जोड़ने में भी सीएसआईआर अहम भूमिका निभा रहा है।